साप्ताहिक

समय नाद

RNI: MPHIN/2020/86119

वर्ष-5, अंक-37 | भोपाल, शुक्रवार 15 अगस्त 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य-2 रूपये

संपादक की कलम से

मंशा विकसित भारत बनाने की या मराठा देश ...?

एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की किताब में प्रकाशित एक नक्शे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। किताब में मराठा साम्राज्य के विस्तार को दर्शाते हुए राजस्थान के कई ऐतिहासिक राजपूत क्षेत्रों—जैसे जैसलमेर, मेवाड़, जयपुर और बूंदी—को मराठा प्रभाव क्षेत्र में दिखाया गया है। इस पर राजस्थान के राजपरिवारों, सामाजिक संगठनों और इतिहासकारों ने कड़ी आपत्ति जताई है। जैसलमेर राजपरिवार के चैतन्यराज सिंह ने नक्शे को इतिहास के साथ गंभीर खिलवाड़ बताया। उन्होंने कहा कि जैसलमेर न कभी मराठों के अधीन था और न ही मराठों ने कोई युद्ध यहां पर लड़ा। नाथद्वारा विधायक और मेवाड़ राजघराने के विश्वराज सिंह मेवाड़ ने भी एनसीईआरटी से पूछा कि इस तरह का नक्शा किस ऐतिहासिक स्रोत के आधार पर तैयार किया गया? वहीं, सांसद महिमा कुमारी ने भी इस तरह के इतिहास को गलत बताते हुए सवाल उठाए हैं। विरोध को देखते हुए एनसीईआरटी ने सफाई दी है कि यह नक्शा सांकेतिक है और इसका उद्देश्य केवल मराठों के प्रभाव को दर्शाना है, न कि प्रत्यक्ष शासन को। संस्था ने विशेषज्ञों की एक समिति गठित की है जो इस अध्याय की समीक्षा करेगी। इस मुद्दे पर जयपुर समेत कई शहरों में युवाओं और क्षत्रिय राजपूत संगठनों ने प्रदर्शन किए। उनका आरोप है कि राजपूतों की वीरता और स्वतंत्रता को इतिहास से मिटाया जा रहा है।

इतिहासकारों के अनुसार, मराठों का प्रभाव उत्तर भारत में कर वसूली और संधियों तक सीमित था, लेकिन प्रत्यक्ष शासन का कोई ठोस प्रमाण नहीं है। कई क्षत्रिय राजपूत संगठनों और विचारकों से लेकर समाज का आमजन अब यह सोचने पर मजबूर कर दिया गया है कि आखिर उनको मिटाने पर मौजूदा सिस्टम आमादा क्यों है, जबकि भारत निर्माण में क्षत्रिय राजपूत राजवंशों का योगदान सबसे बड़ा और अहम है? अलग—अलग जातियों के नेताओं के ऊल—जलूल बयानों और अर्नगल प्रलाप से क्षत्रिय राजपूतों को निशाना बनवाकर विवाद की स्थिति पैदा करने के पीछे कौन कूटनीतिक षड्यंत्र कर रहा है, इसे भी क्षत्रिय राजपूत अब समझने लगे हैं। कुछ भी हो किसी राष्ट्र के सच्चे निर्माताओं और स्वाभिमान के प्रतीकों की अनदेखी करना या उनके इतिहास से खिलवाड़ करना राष्ट्र के लिए अशुभ संकेत है।

● दिनेश सिंह भदौरिया

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बना है विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था

भारत में कृषि संस्कृति के जनक हैं भगवान श्री बलराम : सीएम

● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्री बलराम भारत में कृषि संस्कृति के जनक हैं। वे हलधर, महान बलशाली, मेहनतकश, शुद्ध हृदय और पराक्रमी थे। उनका जन्म दिवस हल षष्ठी के रूप में संतान के कल्याण के लिए भी मनाया जाता है। वे आदर्श पुत्र और आदर्श भ्राता थे। विश्व में तीन भाइयों राम लक्ष्मण, श्रीकृष्ण बलराम और विक्रमादित्य एवं भर्तृहरि की जोड़ी आदर्श हैं। ये हमारी सनातन संस्कृति की गौरव पताका और हमारे आदर्श हैं। बलराम जयंती के अवसर पर हम उन्हें स्मरण करें और उनके आदर्शों को जीवन में उतारें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मंडला में बलराम जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 82 लाख से अधिक किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि की 1671 करोड़ रुपए की राशि का उनके खातों में सीधा अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में 226.12 करोड़ रुपए की लागत के 24 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय से पूरे उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाने और राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, तात्या टोपे, टंट्या मामा जैसे महान क्रांतिकारी और देशभक्तों को स्मरण करने का आह्वान किया। साथ ही प्रदेश के विकास का संकल्प दिलाया।

वोटर लिस्ट से हटाए गए 65 लाख नाम कारणों के साथ सार्वजनिक किए जाएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए लगभग 65 लाख मतदाताओं की जिलावार सूची 21 अगस्त तक संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइटों पर प्रकाशित कर दे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर लगातार तीन दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद इस संबंध में आदेश पारित किया। पीठ ने आयोग से कहा कि वह मसौदा सूची से नाम हटाने के कारणों का भी खुलासा करें। यह स्पष्ट करे कि आखिर मृत्यु, दूसरी जगह स्थायी निवास, दोहरी पंजीकरण के कारण मसौदा सूची में उनके नाम दर्ज नहीं किए गए।

आजादी तो 1943 में ही मिल गई थी!

नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 21 अक्टूबर 1943 को ही कर दी थी स्वतंत्र राष्ट्र की घोषणा

अजय सिंह
अध्यक्ष- मप्र पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन

भोपाल। भारत को ब्रिटिश इंडिया आजादी तो 21 अक्टूबर 1943 को ही मिल गई थी। आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 21 अक्टूबर 1943 को ब्रिटिश इंडिया को अंग्रेजों की हुकूमत से स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया था। उस समय जर्मनी, जापान, मानचुआ, आयरलैंड, चीन, इटली, फिलिपींस सहित कुल 11 देशों मान्यता भी प्रदान की गई थी। सबसे पहले अंडमान निकोबार को अंग्रेजों से मुक्त कराया गया था। 1944 में आजाद हिंद फौज ने कुछ प्रदेशों को अधीन करने के लिए संघर्ष कर आजाद भी करा लिया था। द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों से लड़ने के लिए सुभाषचंद्र बोस ने जापान के सहयोग से आजाद हिंद फौज की स्थापना की थी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस को चुनौती देने के लिए जवाहर लाल नेहरू ने मोहनलाल करमचंद गांधी को भ्रमित कर अंग्रेजों के साथ मिलकर 4 अप्रैल 1944 को आजाद हिंद फौज के खिलाफ युद्ध शुरू किया। यह युद्ध 22 जून 1944 तक चला, जिसमें आजाद हिंद फौज को पीछे हटना पड़ा। सन् 1938 में सुभाषचंद्र बोस कांग्रेस के निर्विरोध अध्यक्ष बने थे। महात्मा गांधी तो अबुल कलाम आजाद को अध्यक्ष बनाना चाहते थे। इसी को लेकर सुभाषचंद्र बोस उस समय महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू की आंख की किरकिरी बन गए थे। नेताजी बोस ने कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हमारा गौरवशाली इतिहास रहा है, लेकिन वामपंथी विचारधारा के लोगों ने इतिहास को बिल्कुल उलट दिया। अंग्रेजों के गुलामों को स्वतंत्रता संग्राम सैनिक बता दिया और स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वालों को लुटेरा बना दिया। यह बड़ा दुर्भाग्य था, जिसे देश आज भी भुगत रहा है। इस देश के लोगों को यह भी नहीं पता होगा कि 28 जुलाई 1914 को शुरू हुए प्रथम विश्व युद्ध में अंग्रेजों को लड़ने के भारतीय लोगों की आवश्यकता पड़ी। इसके लिए महात्मा गांधी ने पूरे भारत में घूम—घूम कर भारतीयों को प्रेरित कर अंग्रेजों की सेना में भर्ती कराया। इस कार्य से खुश होकर अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को केसर ए हिंद की उपाधि दी थी। इस विश्व युद्ध में 74000 भारतीय सैनिक मारे गए थे। इसी तरह, 1 सितंबर 1939 को शुरू हुए दूसरे विश्व युद्ध में भारतीयों को शामिल होने के लिए प्रेरित करने का जिम्मा फिर से अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को सौंपा। महात्मा गांधी ने पूरे भारत में घूम—घूमकर अंग्रेजों के सहयोग के लिए ब्रिटिश इंडिया आर्मी में भारतीयों को भर्ती कराया। इस युद्ध में 84000 से अधिक भारतीय मारे गए थे। इस समय तक अंग्रेज बहुत कमजोर हो चुके थे और उन्होंने भारत छोड़ने का मन बना लिया था।

ऐसे समय में सुभाष चंद्र बोस को सहयोग की आवश्यकता थी, लेकिन जवाहर लाल नेहरू और महात्मा गांधी ने अंग्रेजों का सहयोग किया। यदि अंग्रेजों को नेहरू—गांधी का यह सहयोग नहीं मिला होता तो आज भारत सुभाषचंद्र बोस के नेतृत्व में विश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र होता।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को सलामी देते एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान।

चशोटी गांव में मचैल माता की धार्मिक यात्रा के लिए पहुंचे कई लोग बहे

किश्तवाड़ में बादल फटा, अब तक 52 लोगों की मौत, 167 को बचाया

एजेन्सी, किश्तवाड़

जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ के चशोटी गांव में गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बादल फटा। कई लोग पहाड़ से आए पानी और मलबे की चपेट में आ गए। हादसे में अब तक 52 लोगों की मौत हो गई है। अब तक 167 लोगों को बचाया गया है। करीब 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। हादसा उस समय हुआ जब हजारों श्रद्धालु मचैल माता यात्रा के लिए किश्तवाड़ में पड्डुर सब-डिवीजन में चशोटी गांव पहुंचे थे। यह यात्रा का पहला पड़ाव है। बादल वहीं फटा है, जहां से यात्रा शुरू होने वाली थी। यहां श्रद्धालुओं की बसें, टेंट, लंगर और कई दुकानें थीं। सभी बाढ़ के पानी में बह गए।

चशोटी किश्तवाड़ शहर से लगभग 90 किलोमीटर और मचैल माता मंदिर के रास्ते पर पहला गांव है। यह जगह पड्डुर घाटी में है, जो 14-15 किलोमीटर अंदर की ओर है। इस इलाके के पहाड़ 1,818 मीटर से लेकर 3,888 मीटर तक ऊंचे हैं। इतनी ऊंचाई पर ग्लेशियर (बर्फ की चादर) और ढलानें हैं, जो पानी के बहाव को तेज करती हैं। मचैल माता तीर्थयात्रा हर साल अगस्त में होती है। इसमें हजारों श्रद्धालु आते हैं। यह 25 जुलाई से 5 सितंबर तक चलेगी। यह रूट जम्मू से किश्तवाड़ तक 210 किमी लंबा है और इसमें पद्दर से चशोटी तक 19.5 किमी की सड़क पर गाड़ियां जा सकती हैं। उसके बाद 8.5 किमी की पैदल यात्रा होती है।

गृहमंत्री अमित शाह ने बताया, 'किश्तवाड़ जिले में बादल फटने की घटना को लेकर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से बातचीत की। स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है।

एनडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर भेज दी गई हैं। हम स्थिति पर कड़ी निगरानी रखे हुए हैं और हर परिस्थिति में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ मजबूती से खड़े हैं। जरूरतमंदों को हर संभव मदद दी जाएगी।

बिटकॉइन पहली बार 1.08 करोड़ के पार पहुंचा

मुंबई। बिटकॉइन की कीमत पहली बार 1.08 करोड़ के पार पहुंच गई है। आज 14 अगस्त को इस क्रिप्टोकरेंसी ने ऑलटाइम हाई बनाया। 2009 में जब सतोशी नाकामोटो नाम के किसी व्यक्ति ने इसे बनाया था तब इसकी वैल्यू 0 के करीब थी। यानी, अगर उस समय

आप बिटकॉइन में एक रुपए से भी कम का निवेश करते तो आज उसकी कीमत 1 करोड़ से ज्यादा होती। बिटकॉइन की पहली बड़ी कीमत बढ़ोतरी अक्टूबर 2010 में हुई थी। जब एक बिटकॉइन की कीमत लंबे समय तक 0.10 डॉलर (करीब 8) के करीब स्थिर रहने के बाद ऊपर जाने लगी। साल के अंत तक ये 0.30 डालर तक पहुंच गई। वहीं 2013 तक इसकी कीमत 1000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। आज के हिसाब से रुपए में ये कीमत 87 हजार रूपये के करीब होती है।

यह ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करता है। कल्पना करें कि एक बहीखाता है, जिसमें दुनिया भर के बिटकॉइन लेनदेन लिखे जाते हैं। इस बहीखाते को ब्लॉकचेन कहते हैं और यह हजारों कंप्यूटरों पर एक साथ मौजूद होता है। ब्लॉकचेन एक डिजिटल कॉपी की तरह है जो जानकारी, जैसे लेनदेन, को रिकॉर्ड करती है। इसे हर कोई देख सकता है, लेकिन कोई बदल या मिटा नहीं सकता। यह कई कंप्यूटरों पर साझा होती है, इसलिए यह सुरक्षित और भरोसेमंद है। जब आप किसी को बिटकॉइन भेजते हैं, यह लेनदेन ब्लॉकचेन में दर्ज होता है। इसे जांचने और सुरक्षित करने का काम माइनर्स करते हैं, जो अपने कंप्यूटरों की ताकत से गणितीय समस्याएं हल करते हैं। बदले में, उन्हें नए बिटकॉइन मिलते हैं। यह सिस्टम इसलिए खास है, क्योंकि इसमें कोई एक संस्था सारा नियंत्रण नहीं रखती। बैंक में आपके पैसे का हिसाब बैंक रखता है और अगर बैंक गलती करता है या दिवालिया हो जाता है, तो आपका पैसा खतरे में पड़ सकता है।

86 गैलेंट्री अवॉर्ड का ऐलान

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने वाले 9 फाइटर पायलट-ऑफिसर को वीर चक्र

एजेन्सी, नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर ऑपरेशन सिंदूर में बहादुरी और साहस दिखाने वाले आर्म्ड फोर्स के 86 जवानों को गैलेंट्री अवॉर्ड देने का ऐलान हुआ है। वायुसेना के 52 जवानों को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एयरफोर्स के 9 ऑफिसर को वीर चक्र दिया गया है। इनमें ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने वाले फाइटर पायलट भी शामिल हैं। परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद यह तीसरा सबसे बड़ा पुरस्कार है। सरकार ने आर्म्ड फोर्स के 7 ऑफिसर को सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक दिया है। इनमें एयरफोर्स के 3, आर्मी के 2 और नेवी के एक ऑफिसर हैं। इससे पहले ये पदक कारगिल युद्ध के समय दिए गए थे। इंडियन आर्मी के 18 जवानों को वीरता मेडल से सम्मानित किया गया है। भारतीय सेना के अधिकारी ने बताया कि 2 सीनियर इंडियन आर्मी ऑफिसर को सर्वोत्तम युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वहीं 4 कीर्ति चक्र, 4 वीर चक्र और 8 शौर्य चक्र दिए गए हैं।

सीमा सुरक्षा बल के 16 जवानों को गैलेंट्री मेडल दिया गया है। BSF देश की पहली सुरक्षा लाइन है, जो 2290 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा और पश्चिमी इलाके में लाइन ऑफ कंट्रोल की निगरानी और रक्षा करती है। ऑपरेशन के दौरान BSF के दो जवान शहीद और सात घायल हुए। इसके अलावा पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को भी मेडल से सम्मानित किया है। इनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के 128, CRPF के 20 और छत्तीसगढ़ पुलिस के 14 पदक शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

वोटर लिस्ट से हटाए गए 65 लाख नाम कारणों के साथ सार्वजनिक किए जाएं

एजेन्सी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए लगभग 65 लाख मतदाताओं की जिलावार सूची 21 अगस्त तक संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइटों पर प्रकाशित कर दे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर लगातार तीन दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद इस संबंध में आदेश पारित किया।

पीठ ने आयोग से कहा कि वह मसौदा सूची से नाम हटाने के कारणों का भी खुलासा करें। यह स्पष्ट करे कि आखिर मृत्यु, दूसरी जगह स्थायी निवास, दोहरी पंजीकरण के कारण मसौदा सूची में उनके नाम दर्ज नहीं किए गए। पीठ ने याचिकाकताओं में शामिल एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की गुहार स्वीकार करते हुए यह निर्देश दिया। एसोसिएशन ने हटाए हुए मतदाताओं की सूची कारण सहित प्रकाशित करने की गुहार लगाई थी। अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बुधवार की सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग पर दुर्भावनापूर्ण इरादे का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग ने हटाए गए मतदाताओं के नाम कारण सहित प्रकाशित करने से इनकार कर दिया।

चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं गैर सरकारी संगठन (एनजीओ)-एडीआर, पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल), तृणमूल कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा, स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र यादव, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा, कांग्रेस पार्टी के नेता के सी वेणुगोपाल और मुजाहिद आलम सहित अन्य ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की वैधता को चुनौती दी है।

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत दुनिया का नंबर वन देश बनेगा

विधायक भगवानदास सबनानी के नेतृत्व में शौर्य स्मारक से निकली विशाल तिरंगा यात्रा

भोपाल

तिरंगा यात्रा में विशेष रूप से मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत महापौर मालती राय जिला अध्यक्ष रविंद्र यती उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा में दक्षिण-दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के बारह वार्डों के कार्यकर्ता वार्डों से वाहन रैली निकाल कर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। मंच पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा विधायक भगवानदास सबनानी महामंत्री रणवीर सिंह रावत महापौर मालती राय जिला अध्यक्ष रविंद्र यती उपस्थिति रहे। पूरा वातावरण देशभक्ति के तरानों से गूंज रहा था, यात्रा में शामिल सभी लोग जोश उत्साह देशभक्ति से ओतप्रोत थे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने तिरंगा लहराकर तिरंगा यात्रा शुभारंभ किया। तिरंगा यात्रा शौर्य स्मारक आरम्भ होकर 6 नं. स्टॉप नूतन कॉलेज, लिंक रोड नं. 2, दुर्गा पेट्रोल पम्प पंचशील नगर, माता मंदिर चौराहा प्लेटिनम प्लाजा, टीन शेड न्यू मार्केट, रोशनपुरा चौराहा, रंगमहल टॉकीज जवाहर चौक होते हुए भारत माता चौक (डिपो चौराहा) पर पहुंची, चौराहे पर स्थित भारत माता की प्रतिमा की भव्य आरती कर यात्रा का समापन हुआ। तिरंगा यात्रा में राफेल,

ब्रह्मोस ऑपरेशन सिंदूर और कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर बनी हुई झांकियां सभी लोगों की आकर्षण का केंद्र रही। तिरंगा यात्रा जिस भी मार्ग से भी निकली लोग अपनी सेना का पराक्रम याद करके जय हिन्द जय हिन्द की सेना का जय घोष करते नजर आए। रथ पर सवार भारत माता का रूप धरी बच्ची ने सभी का मन मोह लिया। अनेकों स्थानों पर भारत माता रूपी बच्ची का आरती कर स्वागत किया गया। स्कूली बैंड़ विंटेज कार पर सवार स्कूली बच्चों के बैंड से निकली धुनों से पूरा वातावरण देश भक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा था। डी.जे. पर बज रहे देशभक्ति के गानों पर यात्रा में शामिल लोग झूमते नाचते नजर आए। स्वागत तिरंगा यात्रा का सौ से भी अधिक स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में शैक्षणिक संस्थाएं, व्यापारिक संगठन, सामाजिक संगठन, स्कूल, कॉलेज एवं अन्य संगठनों ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया, और अनेकों यात्रा में शामिल लोगों का पानी शरबत और मुंह मीठा कराकर उनका सत्कार किया गया। आभार तिरंगा यात्रा में शामिल सभी लोगों का दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारतीयों का सम्मान बड़ा हैं, दुनिया भर के लोग भारतीय संस्कारों को अपना रहे हैं और यह सब हमारे कुशल नेतृत्व के कारण ही हुआ है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भारतीय संस्कृति से पूरे विश्व को परिचित कराया है और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के नेतृत्व की शक्ति एवं सेना के शौर्य से आज समूचा विश्व परिचित हैं। आभार तिरंगा यात्रा में शामिल सभी लोगों का दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने आभार व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारतीयों का सम्मान बड़ा हैं, दुनिया भर के लोग भारतीय संस्कारों को अपना रहे हैं और यह सब हमारे कुशल नेतृत्व के कारण ही हुआ है।

भारतीय रेलवे में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया 14 अगस्त

भोपाल

भारतीय रेलवे में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जा रहा है । दिनांक 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली और साथ ही मिला बंटवारे का ऐसा दर्द, जिसने देश की आत्मा को लहुलूहान कर दिया । यह दुनिया की सबसे बड़ी मानव त्रासदियों में से एक है । लाखों परिवारों का जीवन अंधेरे में डूब गया । उन्हें जीवन की ऐसी यात्रा तय करना पड़ी, जिसकी कोई मंजिल नहीं थी । इन परिवारों ने भी स्वतंत्रता का मूल्य चुकाया । उनकी त्रासदी को हम याद कर सकें, वर्तमान पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी उनके बलिदानों और पीड़ा से परिचित हो सके, स्वतंत्रता में उनकी आहुति की कीमत को समझ सके । हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति के रूप में मनाने का आह्वान किया है । इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर के प्रमुख स्टेशनों पर दिनांक 14 अगस्त 2025 को ÷विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस ÷ के अवसर पर ऐतिहासिक तथ्यों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । इसमें देश की विभाजन विभीषिका से संबन्धित तथ्यों को दर्शाती हुई विभिन्न चित्रों को शामिल किया गया है ।इस अवसर पर रायपुर स्टेशन पर मुख्य स्टेशन प्रबंधक श्री आर पी मंडल सहित सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

आन-बान और शान से अपने घरों पर लहरायें तिरंगा: मंत्री राकेश शुक्ला

भिण्ड

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विकासखंड मेहगांव के ग्राम कनाथर से अमायन तक देशभक्ति से सराबोर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। मंत्री श्री शुक्ला ने यात्रा में सहभागिता कर रहे नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए बाईक रैली, ट्रैक्टर रैली, वाहनों का काफिला, साथ ही देशभक्ति के गीतों के साथ झण्डे को थामे लोग निकले। नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि तिरंगा भारत की एकता और अखंडता का गौरवशाली प्रतीक है, जो हमें हमारे इतिहास और आजादी की याद दिलाता है।÷ तिरंगे का सम्मान करना हर नागरिक का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। इस

अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, एकता और सामुदायिक सौहार्द की भावना को प्रबल करना है। यह अभियान स्वतंत्रता दिवस तक जारी रहेगा।

न्यूनतम विद्युत दुर्घटना के लिए भोपाल ओएंडएम वृत्त को राज्य स्तरीय पुरस्कार

भोपाल

न्यूनतम विद्युत दुर्घटना (वर्ष 2024-25) का पुरस्कार मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल संचारण संधारण वृत्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश पॉवर सेक्टर के मुख्यालय शक्ति भवन, जबलपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार भोपाल ओएंडएम वृत्त के अंतर्गत एसटीसी-एसटीएम संभाग के उप महाप्रबंधक श्री आफताब बेग प्राप्त करेंगे। गौरतलब है कि एम.पी.पॉवर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तर पर न्यूनतम विद्युत दुर्घटना वाले वृत्त को पुरस्कृत किया जाता है। बीते वर्ष 2024-25 में न्यूनतम विद्युत दुर्घटना वाले वृत्त के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संचारण संधारण वृत्त भोपाल का चयन किया गया है तथा इस उपलब्धि के लिए चलित शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर

मुख्य सचिव, ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई एवं मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने भोपाल वृत्त के महाप्रबंधक, उपमहाप्रबंधक सहित सभी अधिकारियों एवं लाईन स्टॉफ को इस सम्मान के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

साप्ताहिक
समय नाद

संपादकीय

मुनीर की गीदड़ भभकी

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल एवं सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर एक कट्टरपंथी मौलवी ज्यादा हैं और एक पेशेवर सेनाध्यक्ष कम लगते हैं। वह दो माह के अंतराल में दूसरी बार अमरीका के दौरे पर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मुलाकात भी तय है। क्या अमरीकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में राष्ट्राध्यक्ष अथवा शासनाध्यक्ष के बजाय सेना के जनरल से द्विपक्षीय मुलाकात की परंपरा शुरू कर दी है? जनरल मुनीर को अमरीका की सरजमीं से परमाणु हमले की धमकी देने की अनुमति क्यों दी गई? अमरीका तो भारत का मित्र और रणनीतिक साझेदार देश है। बेशक टैरिफ के मुद्दे पर विवाद है, लेकिन अमरीका क्वाड जैसे संगठन में भी भारत का साथी देश है। क्वाड का शिखर सम्मेलन भारत में ही होना है। ट्रंप उसे टाल नहीं सकते। बहरहाल पाक समुदाय को संबोधित करते हुए मुनीर ने लगभग पूरी दुनिया को धमकाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु संपन्न देश है। यदि हम सोचते हैं कि हम हार रहे हैं, तो उससे पहले हम आधी दुनिया को नष्ट कर देंगे। मुनीर के कथन के भाव यही थे। हालांकि उनका संबोधन अंग्रेजी भाषा में था। इससे पहले मुनीर ने सीधे भारत को धमकी दी थी कि हम सिंधु पर बांध बनाने का इंतजार कर रहे हैं। यदि ऐसा किया गया, तो हम बांध पर 10 मिसाइलों से हमला करेंगे। हमारे पास बहुत मिसाइलें हैं। भारत ने मुनीर के इन शब्दों को गीदड़ भभकी के तौर पर लिया और एक बार फिर साफ किया कि भारत परमाणु हमले की ब्लैकमेल से नहीं डरता। कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर के युद्धनुमा संघर्षों के दौरान भी पाकिस्तान परमाणु शक्ति वाला देश था।

मुनीर अच्छी तरह जानते हैं कि पाकिस्तान को किस तरह घुटनों पर आना पड़ा? सबसे गौरतलब यह है कि आतंकवाद और पाकिस्तान को लेकर अमरीका और राष्ट्रपति ट्रंप का नजरिया क्यों बदल गया है? ट्रंप ने पहले राष्ट्रपति-काल के दौरान ही पाकिस्तान की अरबों डॉलर की आर्थिक मदद रद्द कर दी थी। तो क्या अब पाकिस्तान आतंकवाद-मुक्त देश लगता है? राष्ट्रपति ट्रंप इतना जरूर समझ लें कि पाकिस्तान के जनरल के प्रस्ताव पर ही उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार मिलने वाला नहीं है। फर्जी युद्धविराम के दावों के आधार पर भी सर्वोच्च शांति पुरस्कार से नहीं नवाजा जा सकता। नोबेल पुरस्कार समिति और ज्यूरी को सब जानकारियां होती हैं। अमरीकी राष्ट्रपति पाकिस्तान में क्या करना चाहते हैं, यह भी समूचे विश्व के संज्ञान में है। दरअसल अपने वजूद के 78 सालों के बावजूद पाकिस्तान की सियासत, हुकूमत और खासकर फौज भारत-ग्रंथि से मुक्त नहीं हो पाई है। जनरल मुनीर ने अमरीका में कश्मीर पर वही जहर उगला है, जो पहलगाम नरसंहार से पहले एक और संबोधन में किया था। क्या सेना प्रमुख का यह भी काम होता है कि वह पाक समुदाय को भडकाए और सुलगाए? मुनीर के बयान बता रहे हैं कि उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? पाकिस्तान का इतिहास उसके जनरलों की ऐसी महत्वाकांक्षाओं और उनकी कारस्तानियों से भरे हैं। मुनीर के संबोधन समझा रहे हैं कि आने वाला युद्ध नई किस्म का होगा।

दम तोड़ते लोकतंत्र का महानायक राहुल गांधी

डॉ. देवेंद्र सिंह धाकड़

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत के दम तोड़ते लोकतंत्र को नई सांसें दे दी हैं। राहुल गांधी को नासमझ बताकर उपहास करने वाले भी उनकी राजनीतिक प्रतिभा का लोहा मन ही मन मान रहे हैं, लेकिन दंभ के चलते खुलेआम स्वीकार करने से परहेज कर रहे हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में वोट चोरी का जो खुलासा किया है, उससे चुनावी शुचिता की असलियत सबके सामने आ गई है।

वर्ष 2023 में जब मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के परिणाम सामने आए तो सियासी जानकार सन्न रह गए थे। कई राजनीतिक रणनीतिकारों और जमीनी स्तर पर जनता की सियासी नब्ज टटोलने के माहिर तमाम विश्लेषकों और निष्पक्ष पत्रकारों के गणित उलट गए थे। वे हैरान थे कि आखिर ऐसा हुआ कैसे? कई मीडिया हाउस तो गढ़े हुए नैरेटिव के भोंपू बजा रहे थे कि फलां योजना या फलां फैक्टर ने बीजेपी को जीत दिलाई है, लेकिन जनमानस के बीच रहकर ईमानदारी से काम करने वालों को ये गढ़े हुए नैरेटिव गले नहीं उतर रहे थे। वे लगातार कह रहे थे कि चुनाव में गड़बड़ हुई है, लेकिन उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की तरह दबकर रह गई।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने तो 2023 के विधानसभा परिणाम के समय ही निर्वाचन प्रक्रिया पर कई सवाल उठाए थे। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान से विधानसभा चुनाव प्रक्रिया से परिणाम तक कई शिकायतें कई थीं, लेकिन आयोग में सुनवाई के नाम पर शून्य ही दिखाई दिया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम पर भी सवाल उठाए गए हैं, जिनमें एनसीपी नेता शरद पवार ने भी खुलासे किए हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की पोल खोल दी है, जिससे भारत की राजनीति में भयंकर भूचाल आ गया है। राहुल गांधी के इस महाविस्फोटक खुलासे के बाद जहां विपक्ष एकजुट होकर फ्रंट फुट पर है, वहीं सत्तारूढ़ सरकार की चूलें हिल गई हैं।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की कार्यशैली को बड़ी गहराई से जांचा—परखा। करीब छह महीने का समय लगाकर एक—एक पहलू की बारीकी से छानबीन की और वहां मिली अत्यंत गंभीर अनियमितताओं को देश के सामने लाकर खड़ा कर दिया। देश के चुनावी इतिहास में पहली बार ठोस साक्ष्यों के साथ चुनाव आयोग पर आरोप लगाए गए। यह बेहद गंभीर मामला है। बेंगलुरू की एक लोकसभा सीट के महादेवपुरा सेगमेंट में ही 100250 वोटों की गड़बड़ी को प्रेस कांफ्रेंस कर उजागर किया। सियासी सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी ने इस खुलासे से पहले कांग्रेस पार्टी के अंदर बीजेपी के कथित स्लीपर सेल नष्ट किए और संदिग्धों को इस काम की भनक भी नहीं लगने दी। इसका असर यह हुआ कि इतने बड़े कांड का पर्दाफाश करने के दौरान सूचना लीक नहीं हुई और देश के सामने बीजेपी सरकार और चुनाव आयोग की पोल खुल गई।

वोट चोरी के आरोप लगाने के बाद राहुल गांधी को उल्टा घेरने की कोशिश हो रही है, लेकिन राहुल गांधी ने दिखा दिया कि वे राजनीतिक बिसात के बेहतर खिलाड़ी बन चुके हैं। चुनावी जानकारों का मानना है कि राहुल गांधी से शिकायत का जो शपथ पत्र मांगा जा रहा है, वह तो ड्राफ्टरोल के समय पर मांगा जाना चाहिए। यहां तो वोट चोरी का आरोप है, घपले की बात कही जा रही है तो इसे आयोग को खुद जांच कर स्पष्ट करना चाहिए। देश को जांच कर यह बताया जाना चाहिए कि नेता विपक्ष के आरोप निराधार थे। हमने ये जांच कर ली है और कोई संशय हो तो वह भी नेता विपक्ष बताएं। यदि कहीं कुछ गड़बड़ नहीं थी तो विपक्ष के नेता को आपेक्षित डिजिटल जानकारी भी अविलंब उपलब्ध करा देनी चाहिए थी। आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए कागजों की जांच करने में राहुल गांधी की टीम को लगभग छह माह का समय लगा। यदि यही जानकारी डिजिटल फॉर्मेट में दी जाती तो जांच एक—दो दिन में ही हो सकती थी।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जब मुख्य चुनाव आयुक्त से बातचीत करने करीब 300 सांसदों के साथ संसद भवन से निर्वाचन सदन की ओर जा रहे थे, तभी दिल्ली पुलिस ने उन्हें अन्य सांसदों के साथ गिरफ्तार कर लिया। केंद्र सरकार और आयोग अब बचने के सभी रास्ते खोज रहा है, लेकिन ये आग अब थमने वाली नहीं है। राहुल गांधी के वोट चोरी के दावों को आम जनता के बीच ले जाने के लिए कांग्रेस ने देशभर में जागरूकता अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके मद्देनजर पार्टी ने तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई है। पहले चरण में कांग्रेस स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को पूरे देश के जिला मुख्यालयों पर लोकतंत्र बचाओ मशाल मार्च के बाद अगले चरण में 22 अगस्त से सात सितंबर के बीच पार्टी वोट चोर, गद्दी छोड़ो रैलियां करेगी। इसके बाद 15 सितंबर से 15 अक्टूबर के बीच एक महीने तक मतदान के अधिकार को बचाने और लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान चलेगा। वहीं, कांग्रेस ने वोट चोरी के दावों को लेकर एक पोर्टल लांच कर ऑनलाइन समर्थन हासिल करना प्रारंभ कर दिया है। कांग्रेस के तेवरों से स्पष्ट है कि आने वाले दो महीने भाजपा नीत केंद्र सरकार के लिए बहुत मुसीबत भरे होने वाले हैं।

बिहार में चुनाव होने हैं। वहां की मतदाता सूची को लेकर भी सियासी हंगामा बरपा है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव समेत विपक्ष के तमाम बड़े नेता एकजुट होकर चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। मतदाता सूची में तमाम तरह की गड़बड़ियां हैं। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत अपने जवाब में कहा है कि बिहार में मतदाता सूची से बाहर किये गये 65 लाख लोगों की न तो सूची शेयर करेगा और न ही यह बताने के लिए बाध्य है कि उनका नाम किस वजह से सूची से हटाया गया है। अब सवाल है कि यदि यह जानकारी चुनाव आयोग नहीं देगा तो फिर कौन देगा? क्या इस तरह के व्यवहार से मतदाताओं का भरोसा चुनाव प्रक्रिया में बना रहता है? यह यक्ष प्रश्न है, जवाब कौन देगा?

लेखक: मध्यप्रदेश के ख्यात यूरोलॉजिस्ट और ओबीसी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं।

समाजसेवा का सच्चा उदाहरण राहुल राय, बिना किसी स्वार्थ के समाज के लिए कर रहे हैं बदलाव

भोपाल। मानव और जीवों की सेवा से आत्मिक संतोष मिलता है। किसी पीड़ति या जरूरतमंद का हाथ थाम कर सहारा देने से जो सुकून मिलता है, वह कहा नहीं जा सकता। परिवार से मिले सेवा और परोपकार के संस्कारों ने जीवन को समाज के प्रति संवेदनशील बनाया है। यह युवा समाजसेवी हैं गौरव नगर विकास समिति के संयोजक राहुल राय। वे चेहरे पर शिकन आए बिना जरूरतमंद लोगों की मदद करने को हरदम तैयार रहते हैं। राजधानी भोपाल के कोलार रोड निवासी राहुल राय पिछले दस वर्षों से निस्वार्थ जनसेवा में जुटे हुए हैं। राहुल बताते हैं कि उनके मामा नर्मदा प्रसाद राय उर्फ एनपी

राय उदयपुरा, रायसेन जिले के रहने वाले थे और

मामा एनपी राय से मिले जनसेवा और परोपकार के संस्कार

कांग्रेस में लंबे समय तक सक्रिय रहे। वे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकरदयाल शर्मा के अत्यंत करीबी रहे। एनपी राय ने कांग्रेस में कई पदों का दायित्व बखूबी संभाला और पार्टी नेतृत्व के विश्वास पर हमेशा खरे उतरे। धर्म—कर्म और समाजसेवा के संस्कार उन्हें अपने मामाजी एनपी राय से मिले। उनके साथ रहते हुए परोपकार के मूल्य को समझा।

महादेव शिव के अनन्य भक्त राहुल राय बताते हैं कि सावन के पूरे महीने उनके यहां रोजाना रुद्राभिषेक होता था। करीब सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जाता था। गणेश उत्सव, सुंदरकांड, देवी जागरण, रुद्राभिषेक समेत तमाम धार्मिक अनुष्ठानों, राष्ट्रीय पर्व और सामाजिक आयोजनों में सराहनीय योगदान देते आ रहे हैं। राहुल ने अपनी टीम के साथ कोरोना काल में जरूरतमंद लोगों को अस्पताल पहुंचाने से लेकर दवाएं और जरूरत का सामान मुहैया कराया। इस परोपकार में वे खुद भी कोरोना की चपेट में आ गए और जीवन को गंभीर खतरा हो गया, लेकिन भलाई करने से मुंह नहीं मोड़ा।

टाइगरमैन ऑफ इंडिया का स्मरण

फतेह सिंह राठौड़ ने सिखाया बाघों का संरक्षण

भोपाल। टाइगर कंजर्वेशन के क्षेत्र में आज देश में बहुत काम हो रहा है, लेकिन बाघ संरक्षण के क्षेत्र में जो काम टाइगरमैन ऑफ इंडिया फतेह सिंह राठौड़ ने किया, वह अविस्मरणीय है। मध्यप्रदेश में बाघ और वन्यजीव संरक्षण का काम रहे लोगों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि रणथम्भौर आज बाघ प्रेमियों के लिए दुनिया की सबसे बेहतरीन जगहों में से एक है, लेकिन यह हमेशा से ऐसा नहीं था। रणथम्भौर को रणथम्भौर बनाने के पीछे किसी एक व्यक्तित्व का संपूर्ण समर्पण, त्याग और संघर्ष था तो वे फतेह सिंह राठौड़ थे। जोधपुर के शेरगढ़ निवासी इस बहादुर राजपूत की कॉमन मैन से टाइगर मैन होने तक की यात्रा अद्भुत रोमांच, समर्पण और संघर्ष से भरपूर रही है।

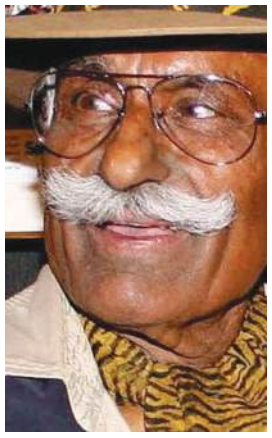

टाइगरमैन राठौड़ अपनी औपचारिक पढ़ाई के बाद राजस्थान वन सेवा का हिस्सा बने और अगले पाँच दशक जंगल के लिए पूरे मन से जिए। बाघों की लगातार गिरती आबादी से चिंतित केंद्र सरकार ने वर्ष 1973 में टाइगर रिज़र्व के लिए 'प्रॉजेक्ट टाइगर' शुरू किया। रणथम्भौर को इस प्रोजेक्ट में जगह मिली। प्रोजेक्ट टाइगर के पहले डायरेक्टर कैलाश सांखला की रणथम्भौर नेशनल पार्क को डेवलप करने की तलाश फ़तह सिंह राठौड़ पर आकर रुकी। फतेह सिंह ने भी उनकी आशाएं जिंदा रखीं। बाघों के प्राकृतिक आवासों से इंसानी आबादी को दूर कर किया। साथ ही, मानवीय गतिविधियों पर पूर्णत: रोक लगाने के लिए लोगों को दूसरी जगह जमीन दिलवाने और समुचित मुआवजा, सुविधाएं दिलवाने जैसे चैलेंजिंग काम को उन्होंने बहुत ही धैर्यपूर्वक और व्यवहारिक ढंग से निपटाया। उनके अथक प्रयासों के चलते रणथम्भौर शीघ्र ही अपने नेचुरल स्वरूप में लौटा और बाघों की गतिविधियाँ प्रारंभ हुईं। पार्क में विचरण के लिए आई पहली बाघिन को देख पेड़ के ऊपर छुपकर बैठे फतेह इतना रोमांचित हुए कि उस बाघिन का नामकरण उन्होंने अपनी बेटी पद्मिनी के नाम पर किया। ये उनका बाघों के प्रति एक मानवीय दृष्टिकोण था। टाइगर्स के स्वभाव और व्यवहार की उनको ठीक ऐसी समझ थी जैसी एक मां को अपनी संतान की होती है। टाइगर्स के लिए राठौड़ बड़े से बड़ी चुनौती लेने से भी कभी नहीं हिचके। एक बार तो उनपर जानलेवा हमला भी किया गया, लेकिन कोई भी बाधा राठौड़ का हौसला नहीं डिगा सकी। ऐसा लगता था जैसे टाइगर और राठौड़ एक दूसरे के लिए ही बने हैं। प्रकृति और जंगल से बेपनाह मोहब्बत, साथ ही स्थानीय निवासियों से भी उतना ही स्नेह रखने वाले टाइगरमैन राठौड़ रणथम्भौर के अभिभावक के तौर पर युगों—युगों तक चिरस्मरणीय बने रहेंगे।

राजीव भदौरिया बने क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

मथुरा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों की मीटिंग वृंदावन, मथुरा में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राजीव भदौरिया गुड्डू को संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भैरो सिंह चौहान को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शिवराम सिंह गौर के देवलोकगमन के बाद यह पद रिक्त था। छह महीने में राष्ट्रीय अधिवेशन कर विधिवत रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कर किया जाएगा। तब तक यह दोनों ही पूरे भारत बर्ष में संगठन विस्तार कर सकेंगे और संगठन के विषय में निर्णय ले सकेंगे। मीटिंग में मुख्यरूप से उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड, गुजरात, तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने उक्त निर्णय का सर्वसम्मति से समर्थन किया। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज और संगठन के गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं प्रदान की हैं।

वन अधिकारी का बाघ से आमना—सामना

रोंगटे खड़े कर देने वाली अविस्मरणीय घटना

भोपाल। दिसंबर 1984 में, जब एक वन अधिकारी का तबादला साउथ सागर डिवीजन की केसली रेंज से भोपाल सोशल फॉरेस्ट्री डिवीजन में हुआ, तब उन्हें एक ऐसा अनुभव हुआ जो जीवन भर उनकी स्मृतियों में बसा रह गया। वह अपने नए पदस्थापन पर भोपाल जा रहे थे और अपने साथी व मित्र रेंजर ओ.पी. गुप्ता के साथ मोटरसाइकिल पर सवार थे। लेकिन इस यात्रा ने उनके लिए एक अनोखा और रोमांचकारी मोड़ ले लिया।

रास्ता रायसेन जिले की गढ़ी रेंज के मनोरम किंतु वन्य क्षेत्र से होकर जाता था। दिन का समय था, आसमान में बादल छाए हुए थे, और पहाड़ी व घुमावदार सड़कें उस यात्रा को और रहस्यमय बना रही थीं। तभी घाट सेक्शन के एक तीखे मोड़ पर कुछ ऐसा हुआ जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। अचानक एक बाघ सड़क पर छलांग लगाते हुए सामने आ गया, मानो वह सड़क पार करने की कोशिश कर रहा हो।

अधिकारी याद करते हैं

मैं गाड़ी (मोटरसाइकिल) चला रहा था। बाघ को अचानक सामने देखकर कुछ क्षणों के लिए बिल्कुल हिप्नोटाइज़ हो गया। ब्रेक या कुछ और याद ही नहीं आया। ऐसा लगा जैसे बाघ से टकरा जाएंगे। कुछ क्षणों के लिए वह बिल्कुल स्तब्ध रह गए — उस पल की अचानकता और बाघ की भव्यता ने उन्हें पूरी तरह जकड़ लिया। समय जैसे थम गया था। फिर, उतनी ही शांति से, बाघ नीचे खाई में छलांग लगाकर जंगल में गायब हो गया।

यह वास्तविक लेकिन खतरनाक घटना जंगल के जीवन की अनिश्चित सुंदरता की एक सजीव झलक थी — खासकर उन वन अधिकारियों के लिए जो अपने जीवन को इसे संरक्षित करने में समर्पित करते हैं। ऐसे अनुभव — भले ही उस पल डरावने हों — जीवन भर की यादें बन जाते हैं, जो हर वन संरक्षक की आत्मा और आत्मबल को गहराई से आकार देते हैं।

जैसा कि पूर्व वन उप संरक्षक आरएस भदौरिया ने समय नाद को बताया।

सैनिक से समाजसेवक की प्रेरक यात्रा

सत्यपाल सिंह भदौरिया का जीवन और समर्पण

ग्वालियर। क्षत्रिय राजपूत समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित युवा सत्यपाल सिंह भदौरिया की जिंदगी हमें सच्चे नायक की परिभाषा समझाती है — एक ऐसा व्यक्तित्व, जिसने न केवल अपने देश के लिए खून-पसीना बहाया, बल्कि रक्षक बनने की भूमिका के बाद समाज के लिए चट्टान जैसा सहारा बन गए। आत्मीयता, उत्तरदायित्व और पद की आड़ में राजनीति की ऊबड़-खाबड़ मिट्टी से ऊपर उठकर, सत्यपाल ने ग्वालियर के सीमित परिवेश में अपनी पहचान नहीं बनाई, बल्कि उसे जन-सेवा की बुलंद इमारत में बदल दिया।

जीवन परिचय और परिवारिक पृष्ठभूमि

सत्यपाल सिंह भदौरिया का जन्म 13 अगस्त 1984 को ग्राम पीपरी (तहसील अटेर, जिला भिंड, मध्य प्रदेश) में, किसान स्वर्गीय रामबरन सिंह भदौरिया के घर हुआ। बचपन से ही ग्रामीण परिवेश एवं किसान जीवन की जड़ों से

जुड़े सत्यपाल की पढ़ाई भिंड में ही पूरी हुई।

सेना सेवा का गौरव

जनवरी 2003 में उन्होंने भारतीय सेना के 19 राजपूत रेजिमेंट में भर्ती होकर देश सेवा की राह पकड़ ली। वर्ष 2004 में मणिपुर के इम्फाल सेक्टर में उन्हें सेना की ओर से वार कैजुअल्टी घोषित किया गया। इसके बाद, 2006 से 2014 तक सत्यपाल जम्मू कश्मीर में विभिन्न जिलों—सोपियां, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और श्रीनगर—में तैनात रहे, जहां उन्होंने शांति और सुरक्षा बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 2018 में उन्होंने सम्मानपूर्वक रिटायरमेंट लिया और ग्वालियर में अपने परिवार के साथ जीवन की अगली पारी शुरू की।

समाज सेवा और संगठनात्मक नेतृत्व

सेना से रिटायरमेंट लेने के बाद सत्यपाल का जीवन ठहराव से नहीं, बल्कि गति से भर गया। 2019 से 2021 तक वे राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष (भिंड) और संभाग अध्यक्ष के पदों पर रहे। वर्तमान में वे संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता के दायित्व को संभाल रहे हैं। अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगमेडी के मार्गदर्शन और विचारधारा से प्रेरित होकर समाज, संस्कृति और देश की सेवा में जुटे हैं।

लोक-परिवार और समाज के लिए समर्पण

भदावर वंश की गौरवशाली परंपरा को, सत्यपाल सुर, देश और समाज की कसौटी पर आगे बढ़ा रहे हैं। उनका विश्वास है कि व्यक्तिगत उपलब्धि से बड़ी बात है— समाज को सशक्त बनाना। वर्तमान परिस्थितियों में करणी सैनिक के रूप में उनकी भूमिका

साप्ताहिक
समय नाद
भोपाल, शुक्रवार 15 अगस्त 2025

प्रमुख स्टेशनों पर कड़ी निगरानी

स्वतंत्रता दिवस पर रेलवे सुरक्षा बल का विशेष चेकिंग अभियान

भोपाल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भोपाल मंडल में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि अभियान के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी एवं जवान, श्वान दस्ता के साथ मिलकर प्रमुख रेलवे स्टेशनों, सर्कुलेटिंग एरिया, पार्किंग स्थल,

पार्सल कार्यालय, प्रतीक्षालय एवं ट्रेनों में संघन जांच कर रहे हैं। विशेष रूप से भोपाल एवं रानी कमलापति स्टेशनों पर लगेज स्कैनर के माध्यम से यात्री सामान की गहन चेकिंग की जा रही है। इसके साथ ही भोपाल, बीना, विदिशा, रानी कमलापति, हरदा, इटारसी, शिवपुरी, गुना, संत हिरदाराम नगर, नर्मदापुरम, गंजबासौदा, रूठियाई, शाजापुर, अशोक नगर सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यात्री सुरक्षित वातावरण में अपनी यात्रा संपन्न कर सकें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो।

महानिरीक्षक, रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेल राजीव कुमार यादव पुलिस पदक से सम्मानित

भोपाल। *स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर श्री राजीव कुमार यादव, महानिरीक्षक, रेल सुरक्षा बल, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर को उनकी उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा मेडल फॉर मेरीटोरियस सर्विस (पुलिस पदक) से सम्मानित किया गया है। श्री यादव 07 अगस्त 2024 से पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर में महानिरीक्षक, रेलवे सुरक्षा बल के पद पर कार्यरत है। प्रशासनिक सेवा में आने के पश्चात् उन्होंने विभिन्न पदों पर, विभिन्न रेलों, मंडलों एवं कार्यालयों में कार्य किया तथा इस अवधि में कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए अपने प्रशासनिक दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन किया। पश्चिम मध्य रेल में उनकी कार्यावधि उल्लेखनीय रही है। उन्होंने ट्रेनों एवं रेलवे परिसर में अपराध रोकथाम हेतु प्रभावी एवं ठोस कदम उठाए, रेलवे सुरक्षा बल के संचालन में विशेष दक्षता प्रदर्शित की तथा स्टाफ एवं जन शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया। रेल एवं यात्री सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को राष्ट्र ने सराहा है, जिसे परिणामस्वरूप स्वतंत्रता दिवस - 2025 के अवसर पर उन्हें यह राष्ट्रपति सम्मान प्रदान किया गया है।*

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में भोपाल में निकली चार तिरंगा यात्राएं

भोपाल की बड़ी झील, कश्मीर की डल-लेक से कम नहीं इसे और विकसित किया जायेगा: सीएम यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल की बड़ी झील, कश्मीर की डल-लेक से कम नहीं है इसका और अधिक विकास किया जायेगा। यहां पर्यटन विभाग के सहयोग से शिकारे भी संचालित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि वॉटर स्पोर्ट्स सहित सभी प्रमुख खेलों में ओलम्पिक और कॉमनवेल्थ जैसी अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में देश के लिए अधिक से अधिक पदक लाने के उद्देश्य से राज्य में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में जारी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भोपाल के बड़े तालाब के बोट क्लब से निकाली गई जल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने झंडी दिखाकर जल तिरंगा यात्रा की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ी संख्या में तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े। एशियाई और ओलंपिक गेम्स में उपयोग में आने वाली बोट्स में सवार वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ी अनुशासन और गरिमा के साथ तिरंगा लेकर बड़े तालाब में आगे बढ़े, क्षेत्र का नभ-जल और धरा तिरंगामय हो गया। देशभक्ति, एकता और समर्पण की भावना को और सशक्त करते इस अनोखे, रोमांचक आयोजन में बड़ी संख्या में वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ी, विद्यार्थी और राजधानीवासी शामिल हुए। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और श्री रविन्द्र यति उपस्थित थे। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले 14 अगस्त की शुरूआत मुख्यमंत्री निवास परिसर में निकाली गई तिरंगा यात्रा से हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री सचिवालय तथा मुख्यमंत्री निवास में पदस्थ सभी अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी और दीदी कैफे की दीदीयां तिरंगा लहराते हुए शामिल हईं।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर में विशाल तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्म श्री संस्था द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा आरंभ होने से पहले मदर टेरेसा स्कूल के पास उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया, भारतीय सेना के वीर सपूतों के शौर्य और पराक्रम से परिचित हुई है। हम सबके लिए यह गर्व और गौरव का विषय है। आजादी के पर्व 15 अगस्त पर देशभक्ति की भावना सभी के मन में हिलोरे ले रही है। हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा और तिरंगा यात्राओं में उमड़ रहा जन सैलाब इसका प्रतीक है। पूर्व प्रोटेम स्पीकर तथा विधायक श्री रामेश्वर शर्मा द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक है। यात्रा में स्कूली बच्चों से लेकर युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों का उत्साह देखते ही बनता है।

कार से मिले चार करोड़ नोटों का पहाड़ देख पुलिस के उड़े होश

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में पुलिस को चेकिंग के दौरान नोटों की गड्डियां मिली हैं। कार से भारी मात्रा में नगदी मिली। जिसे देखकर पुलिस के होश उड़ गए। खैरागढ़ पुलिस ने चार करोड़ चार लाख रुपए और एक वाहन जब्त किया है। वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक स्कॉर्पियो से इस रकम को बरामद किया है। रकम के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर आयकर विभाग को इसकी सूचना पुलिस के द्वारा दी गई है। वैधानिक कार्रवाई खैरागढ़ पुलिस के द्वारा की गई। नवगठित जिला खैरागढ़ छुईखदान गंडई के खैरागढ़ थाना पुलिस द्वारा ईतवारी बाजार एमसीपी प्वाइंट पर नियमित वाहन चेकिंग के दौरान एक स्कॉर्पियो वाहन को रोका गया। वाहन में सवार व्यक्तियों के व्यवहार एवं परिस्थितियों से यह संदेह हुआ कि वे किसी सन्दिग्ध गतिविधि में शामिल हैं।

पूछताछ पर यह ज्ञात हुआ कि पटेल पारस पिता जयन्तीभाई पटेल 36 वर्ष निवासी वडोदरा गुजरात और पटेल अक्षय 30 वर्ष निवासी पाटन गुजरात से है। पुलिस के द्वारा वीडियो ग्राफी कर वहां और पैसे को जब्त किया गया है। तलाशी के दौरान सीटों के नीचे बने एक गुप्त खांचे चेम्बर से 4,04,50,000 रुपये की नगदी बरामद हुई। बरामद नकदी के परिवहन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर,नकदी एवं वाहन दोनों को BNSS की धारा 106 के अंतर्गत विधिसम्मत तरीके से जब्त किया गया। बरामद नकदी की प्रकृति एवं परिस्थितियों को देखते हुए, कानून के प्रावधानों के अनुसार, सम्पूर्ण मामला आयकर विभाग को भेजा गया है। ताकि वे संबंधित कर प्रावधानों एवं वित्तीय लेन-देन से जुड़े पहलुओं की विस्तृत जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर सकें।

साप्ताहिक
समय नाद

यूपी में 40 ठाकुर विधायकों के जुटने से बदले राजनीतिक समीकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हाल ही में 40 ठाकुर विधायकों का एक साथ एकजुट होना राज्य की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दे रहा है। इस घटना ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्ष दोनों के लिए नए राजनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। यह आंदोलन विशेष रूप से ठाकुर समुदाय के नेताओं और उनके प्रभाव को लेकर चल रहा है, जो यूपी के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह कदम एक संकेत हो सकता है कि ठाकुर समुदाय के विधायक अपनी राजनीतिक स्थिति को मजबूती से सामने लाना चाहते हैं। इनमें से कई विधायक पहले से बीजेपी में थे, लेकिन उनके साथ जुड़ने से यह स्पष्ट हो रहा है कि ठाकुर समुदाय के नेताओं में सत्ता के मामले में असंतोष बढ़ रहा है। इससे भाजपा के लिए चुनावी रणनीतियों में बदलाव और समीकरण की पुनर्निर्माण की आवश्यकता हो सकती है।

ठाकुर समुदाय के इस एकजुटता से यूपी में जातिवाद की राजनीति को फिर से उभरते हुए देखा जा सकता है। इस समूह का प्रभाव यूपी में महत्वपूर्ण है, और इन विधायकों की एकजुटता से बीजेपी की रणनीति में बदलाव संभव है। अगर यह एकजुटता विपक्षी दलों के साथ मिलकर आगे बढ़ती है, तो यह भाजपा के लिए एक नई चुनौती उत्पन्न कर सकती है।

साथ ही, इस स्थिति ने विपक्षी दलों को भी सावधान कर दिया है, क्योंकि ठाकुर समुदाय के विधायक यदि सत्ता की ओर कदम बढ़ाते हैं, तो यह राजनीतिक समीकरणों को नया मोड़ दे सकता है। खासकर आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए, इस घटना का दूरगामी असर हो सकता है।

कुल मिलाकर, 40 ठाकुर विधायकों का एकजुट होना उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, जो आने वाले समय में चुनावी परिणामों पर असर डाल सकता है।

कुटुंब परिवार% की बैठक का आयोजन कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह, एमएलसी जयपाल सिंह की ओर से बताया गया, जिसमें कद्दावर क्षत्रिय नेता रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया, सपा से निष्कासित एमएलसी राकेश प्रताप सिंह, विधायक अभय सिंह, बसपा विधायक उमा शंकर सिंह, बीजेपी के विधायक अभिजीत सांगा, एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह सहित करीब 40 से ज्यादा विधायक और एमएलसी शामिल हुए।

राजीव प्रताप रूडी ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब चुनाव

अमित शाह और निशिकांत दुबे की रणनीति को दी पटखनी, संजीव बालियान को हराया

नई दिल्ली। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष पद के चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करते हुए पार्टी के भीतर ही रणनीतिक खेमेबंदी को करारा जवाब दिया। इस चुनाव में रूडी ने न सिर्फ अपने प्रतिद्वंदी संजीव बालियान को हराया, बल्कि अमित शाह और निशिकांत दुबे जैसे पार्टी के रणनीतिकारों की संयुक्त रणनीति को भी विफल कर दिया।

बताया जा रहा है कि संजीव बालियान को पार्टी के एक प्रभावशाली गुट का समर्थन प्राप्त था, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह और सांसद निशिकांत दुबे की अहम भूमिका थी। दोनों ने बालियान की जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनाव पूर्व कई बैठकों और लॉबिंग प्रयासों में हिस्सा लिया, लेकिन रूडी की मजबूत पकड़ और संसदीय जनाधार के आगे सभी समीकरण फेल हो गए।

राजीव प्रताप रूडी की इस जीत को बीजेपी के अंदर शक्ति संतुलन में बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह जीत व्यक्तिगत नहीं, बल्कि लोकतंत्र और पारदर्शिता की जीत है। अब क्लब की कार्यशैली को नई दिशा देने का समय आ गया है।

विधान सभा अध्यक्ष ने दीं प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी है । श्री तोमर ने अपने संदेश में प्रदेश एवं देशवासियों की खुशहाली एवं उन्नति की कामना की है । श्री तोमर ने अपने संदेश में कहा कि आज का यह पावन दिन हमारे देशवासियों में देश भक्ति की भावना जाग्रत करने तथा एकता के सूत्र में बांधने के साथ ही हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों का पुण्य स्मरण एवं उन्हें नमन करने का भी दिन है । हमारे यशस्वीं प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज हमारा देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहते हुए कृषि, उद्योग, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास की गाथा लिख रहा है तथा विश्व मंच पर विकसित भारत के संकल्पों के साथ एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है । आज मध्यप्रदेश में भी जन कल्याण की नीतियां बन रही हैं तथा चौतरफा विकास की गंगा बह रही है तथा केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है। श्री तोमर ने मध्यप्रदेश राज्य की समृद्धि तथा जनता के कल्याण के लिए कामना की है।

योगी की तारीफ करने पर विधायक पूजा पाल बर्खास्त

विधानसभा में कहा- अतीक को मिट्टी में मिलाया, 8 घंटे बाद अखिलेश ने निकाला

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल को पार्टी से बर्खास्त कर दिया। पूजा पाल ने गुरुवार को विधानसभा सत्र के दौरान सीएम योगी की तारीफ में कहा था- उन्होंने माफिया अतीक अहमद को मिट्टी में मिलाया। पूजा की इस स्पीच के करीब 8 घंटे बाद ही उनको पार्टी से निकालने का आदेश जारी किया गया। विधायक पूजा पाल, राजू पाल की पत्नी हैं। 2005 में राजू पाल की हत्या अतीक अहमद ने की थी। सपा से निकाले जाने के बाद दैनिक भास्कर से पूजा पाल ने कहा- मुझे जो सही लगा, मैंने कहा। मैंने न सपा का नाम लिया, न ही अखिलेश यादव का।

मैंने सिर्फ अतीक अहमद का नाम लिया। मैंने तो सिर्फ सीएम योगी को धन्यवाद दिया था। इसमें मैंने कोई अपराध नहीं किया। भाजपा जॉइन करने पर कहा- अभी मेरा ऐसा कोई प्लान नहीं है।

मैंने अपना पति खोया है। सब जानते हैं कि मेरे पति की हत्या कैसे हुई और किसने की? मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझे न्याय दिलाया। मेरी बात तब सुनी, जब किसी ने नहीं सुनी। मुख्यमंत्री ने

प्रयागराज में मुझ जैसी कई महिलाओं को न्याय दिलाया और अपराधियों को दंड दिया।

मुख्यमंत्री ने जीरो टॉलरेंस जैसी नीतियां लाकर अतीक अहमद जैसे अपराधियों मिट्टी मिलाया है। मैं उनके इस जीरो टॉलरेंस का समर्थन करती हूं। मैंने तब आवाज उठाई, जब मैंने देखा कि कोई भी अतीक अहमद जैसे अपराधियों के खिलाफ लड़ना नहीं चाहता, जब मैं इस लड़ाई से थकने लगी, तब सीएम योगी ने मुझे न्याय दिलाया। आज पूरा प्रदेश मुख्यमंत्री की ओर विश्वास से देखता है।

पार्टी से निकाले जाने के बाद पूजा पाल ने क्या कहा....

सवाल: अखिलेश यादव ने आपको पार्टी से निकाल दिया, क्या कहेंगी?

जवाब: विधानसभा में विजन डॉक्यूमेंट 2047 पर चर्चा हो रही थी। मुझे जो सही लगा, मैंने कहा। मैंने न सपा का नाम लिया, न ही अखिलेश यादव का। मैंने सिर्फ अतीक अहमद का नाम लिया और अपनी परेशानियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने मुझे न्याय दिलाया, इसलिए मैंने उन्हें धन्यवाद दिया। इसमें मैंने कोई अपराध नहीं किया।

सवाल: सपा का कहना है कि आपने 'बुलडोजर न्याय' को सही बताया है?

जवाब: मैंने अपने समाज और प्रयागराज के विकास की बात की। भू-माफिया अतीक अहमद का खात्मा हुआ, उसका जिक्र किया। मंत्रीजी को धन्यवाद दिया। यूपी और पूरा प्रयागराज अतीक अहमद के आतंक से परेशान था। पता नहीं कितनी हत्याएं हुईं, लेकिन इन लोगों (सपा) की आंखें नहीं खुलीं। 2 साल पहले प्रयागराज में उमेश पाल की हत्या हुई। इसके बाद एनकाउंटर हुआ। इन लोगों ने उसे फेक बताया। पहले उमेश पाल की मौत पर रोए, फिर अतीक के बेटे के एनकाउंटर पर रोने लगे। सपा को तय करना चाहिए कि वे पीड़ित परिवार के साथ हैं या अपराधियों के।

सवाल: क्या आप भाजपा जॉइन करेंगी?

जवाब: अभी मेरा ऐसा कोई प्लान नहीं है। मैंने तो सिर्फ सीएम योगी को धन्यवाद दिया था। मैं उनकी तारीफ उसी दिन से कर रही हूं, जब अतीक अहमद का खात्मा हुआ। सिर्फ मैं ही नहीं, प्रयागराज की वो महिलाएं भी खुश हैं, जो अतीक से परेशान थीं। मुझे जिताकर सदन में भेजने वाले लोग वही हैं। विधायक मैं बाद में बनी, पहले मैं एक पीड़ित पत्नी थी। राजू पाल ने मुझसे कभी नहीं कहा था कि मरने के बाद तुम विधायक बनना। मैं इसलिए लड़ रही हूं, क्योंकि मेरे साथ जो हुआ, वो मैं बर्दाश्त नहीं कर सकती थी।

स्वाधीनता के अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन

स्वदेशी की शक्ति से आत्मनिर्भरता को गति देता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

79 वें

स्वतंत्रता दिवस

की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्वदेशी अभियान के साथ औद्योगिक विकास

उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों से ₹32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 23 लाख से अधिक रोज़गार होंगे सृजित

कमज़ोर वर्ग का उत्थान

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों को मिल रही सहायता

युवाओं का सर्वांगीण विकास

शिक्षा, कौशल निर्माण के साथ युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन प्रारंभ, कौशल विकास और रोज़गार के अवसरों से जोड़ने के लिए मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान और आगामी 5 वर्षों में 2.5 लाख नौकरियां देने जैसे प्रयासों से युवा हो रहे सशक्त

आत्मनिर्भर होती महिलाएं

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रतिमाह ₹1250, एमएसएमई में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, लखपति दीदी योजना और शासकीय सेवाओं में 35% तक महिला आरक्षण

खुशहाल और समृद्ध अन्नदाता

किसानों की आय में वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती तथा फसल का उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन, कृषि संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कृषि उद्योग समागम का आयोजन, पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना से आ रही है खुशहाली

प्रातः 9:00 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लाइव जुड़ें

"स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। यह अवसर हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-18041/25

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी | सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP | आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक दिनेश सिंह भदौरिया द्वारा उमा प्रिंटर्स प्लाट नं. 91, पुराना पोस्ट ऑफिस के सामने जिंसी जहांगीराबाद भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं एस-16-17 द्वितीय तल गुरुनानक टावर, जोन-2 महाराणा प्रताप नगर भोपाल मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक-दिनेश सिंह भदौरिया (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)